

साखर वि. (देश.) दे. साक्षर।

साखा स्त्री. (देश.) 1. वह कीली जो चक्की के बीच में लगी होती है। चक्की का धुरा 2. जाति, वंश का अंग 3. वृक्ष आदि की शाखा या डाली।

साखामृग पुं. (तद्.) वानर, बंदर।

साखि/साखी¹ पुं. (तद्.) 1. साक्षी, गवाह 2. आपसी झगड़ों का निपटारा करने वाला पंच 3. मित्र और सहायक स्त्री. संतों की वाणी विशेष उदा. कबीर की साखियाँ मुहा. साखी पुकारना-गवाही देना।

साखि/साखी² पुं. (देश.) वृक्ष।

साखिआ विशे. (देश.) सारखा, सरीखा या सदृश स्त्री. शाखा।

साखियात अव्य. (देश.) साक्षात्।

साखू पुं. (तद्.) एक प्रसिद्ध वृक्ष जिसकी लकड़ी इमारत बनाने के काम आती है।

साखेय वि. (तद्.) 1. सखा-संबंधी 2. लोगों को सहज अपना सखा बना लेने वाला अर्थात् मिलनसार।

साखोचार/साखोच्चार पुं. (देश.) विवाह में वर और वधू के पितृवंश के गोत्र और पूर्वजों का विस्तृत कथन जो दोनों ओर के पंडित करते हैं।

साखोट पुं. (तद्.) सिहोर वृक्ष, सिहोरा।

साख्त स्त्री. (फा.) 1. किसी चीज की बनावट या रचना का कार्य 2. बनावट या रचना का ढंग या प्रकार 3. बनाकर तैयार की हुई चीज।

साख्ता वि. (फा.) 1. बनाया हुआ 2. नकली 3. बनावटी।

साख्य पुं. (तत्.) सख्यता।

साग पुं. (तद्.) 1. कुछ विशिष्ट प्रकार के पौधों की वे पत्तियाँ जो तरकारी आदि की तरह पकाकर खाई जाती हैं उदा. मेथी या पालक का साग 2. भाजी, तरकारी।

साग-पात पुं. (तद्.) 1. खाने योग्य शाक, पत्ते आदि 2. लाक्षणिक शब्द में तुच्छ वस्तु।

सागर पुं. (तत्.) 1. समुद्र जो पुराणानुसार महाराज सागर का बनाया हुआ माना जाता है, जलधि 2. दशनामी संन्यासियों का एक भेद 3. एक प्रकार का हिरण।

सावक पुं. (तद्.) 1. जैन या बौद्ध भिक्षु 2. श्रावक 3. शावक, बच्चा।

सागर पुं. (फा.) शराब का प्याला, चषक।

सागरगमिनी स्त्री. (तत्.) नदी।

सागरज वि. (तत्.) सागर या समुद्र से उत्पन्न-शंख, घोंघा आदि पुं. समुद्री नमक।

सागर-धरा स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, भूमि।

सागर-नेमि स्त्री. (तत्.) पृथ्वी।

सागर मुद्रा स्त्री. (तत्.) इष्टदेव का ध्यान या आराधना करने की एक प्रकार की मुद्रा।

सागर मेखला स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, धरती।

सागरलिपिस्त्री. (तत्.) एक प्राचीन लिपि।

सागरवसना स्त्री. (तत्.) सागर-रूपी वस्त्र वाली, पृथ्वी।

सागरवासी वि. (तत्.) 1. समुद्र में वास करने या रहने वाला 2. समुद्र के तट पर रहने वाला।

सागर-संगम पुं. (तत्.) नदी और समुद्र का संगम स्थान, विशेषतः वह स्थान जहाँ समुद्र की लहरे नदी की धारा से मिलती हैं।

सागरांत पुं. (तत्.) 1. समुद्र का किनारा, समुद्र-तट 2. समुद्र तट का विस्तार।

सागरांता स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, धरती।

सागरांबरा स्त्री. (तत्.) पृथ्वी।

सागरालय पुं. (तत्.) सागर में रहने वाला, वरुण।

सागा पुं. (देश.) संग, साथ।